राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

प्रेस–विज्ञप्ति

संख्या–166/2024

संत पूरी मानवता के कल्याण के लिए अवतरित होते हैं –राज्यपाल

पटना, 18 अगस्त, 2024 :– माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने आई०एम०ए० हॉल, पटना में आयोजित भारतीय कबीर धर्म परिषद् के एक दिवसीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संतो को किसी विशिष्ट जाति या विचारधारा में बाँधकर नही रखा जा सकता है। वे पूरी मानवता के कल्याण के लिए अवतरित होते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि भगवद्गीता हमारी जीवन निष्ठा का भाग है। गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने आश्वासन दिया है कि जब–जब धर्म का संकट होता है, तब–तब वह आते हैं। समाज में धर्म का क्षरण होने और अत्याचार–दुराचार बढ़ जाने पर ईश्वर कबीर जैसे संतो के रूप में स्वयं आकर मानवता का उद्धार करते हैं। भगवान बुद्ध, महावीर स्वामी, कंबन, रामानुजाचार्य, संत तुकाराम, समर्थ गुरू रामदास, गोस्वामी तुलसीदास आदि संतों के माध्यम से भगवान ही समाज में अधर्म को रोकने के लिए आए।

उन्होंने कहा कि संत कबीर स्वयं ही धर्म है। कबीर ने स्वयं कहा है कि जहाँ–जहाँ प्रकाश है, उजियारा है, वहाँ–वहाँ वह हैं। हमारी सनातन परंपरा में सभी विचारधाराएँ समाहित हैं। हमारे संतों ने कभी भी किसी धर्म को मानने के लिए लोगों को बाध्य नहीं किया। हमारी परंपरा में हमारे आचरण, व्यवहार और वर्ताव को ही धर्म कहा गया है। हमारे देश में धर्म या संत की घोषणा भी नही होती है। यहाँ संत का दर्जा Beatification द्वारा नही दिया जाता है, बल्कि भारत में यह अधिकार समाज को है। संत कबीर हम सबके लिए पूजनीय हैं और उनके उपदेशों को आचरण में लाना ही धर्म है।

कार्यक्रम को न्यायमूर्ति श्री राजेन्द्र प्रसाद, महावीर मंदिर न्यास समिति के सचिव आचार्य किशोर कुणाल आदि ने भी संबोधित किया।

इस अवसर पर धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष श्री अखिलेश जैन, चकनूरी कबीर पंथी मठ, पटना सिटी के महंथ मनभंग दास शास्त्री, प्रो० नंदलाल शास्त्री तथा अन्य लोग उपस्थित थे।

.....